पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

पूर्व विधायक संदीप नाईक शरद पवार गुट में शामिल

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 196 ■ बुधवार, 23 अक्टूबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

कालानी काल में हुआ शहर का विनाश

समस्याओं से घिरा उल्हासनगर

शहर की खस्ता हालत के कालानी प्रमुख जिम्मेदार

- पप्पू कालानी 1986 में पहली बार बने थे नगराध्यक्ष
- 3 दशकों से शहर में किया है एकछत्र राज
- 90 दशक के कामों की कालानी दे रहे दुहाई
- कालानी लगातार चार बने थे विधायक
- नोटा का हो सकता है जमकर इस्तेमाल
- 2019 में नोटा रहा 5वें स्थान पर
- सिंधी समाज का पलायन जारी

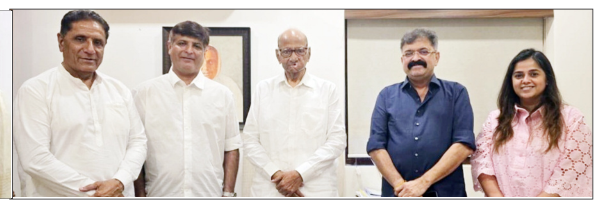

उल्हासनगर। शहर पर एकछत्र राज करने वाले पप्पू कालानी व उनके पुत्र ओमी कालानी की आज यह हालत हो गई है कि उन्हें उन्हीं की पार्टी का विधानसभा चुनाव का टिकट पाने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ रहा है। 2017 के मनपा चुनाव के दौरान अपनी ही पार्टी राकांपा से गद्दारी कर भाजपा में शामिल होना और 2019 में भाजपा द्वारा विधानसभा का टिकट न दिए जाने से फिर भाजपा से गद्दारी करके राकांपा में लौटना इस तरह कुर्सी की लालच में डबल गेम करके कालानी पर से भाजपा, राकांपा, शिवसेना जैसी प्रमुख पार्टियों को धोखा देने के बाद से सबका भरोसा उन पर से उठ चुका है।

इतना ही नहीं शहर की खस्ता हालत के जिम्मेदार विधायक व सांसद ही नहीं कालानी भी है क्योंकि उन्होंने शहर विकास को प्राथमिकता न देकर कुर्सी की लालसा में यह शहर की यह हालत की है और होने दी है। शहर के बड़े निजी ठेके इनके ही कार्यकाल में हुए हैं। जिस कारण आज शहरवासियों का भी कालानी पर से भरोसा उठ चुका है।

कुर्सी की लालच में पप्पू कालानी व ओमी कालानी ने अब तक सभी पक्षों में रहकर केवल राज किया है शहरवासियों के लिए अगर कार्य किए होते तो वो जरूर दिखाई देते। शहर की खराब सड़कें, पानी की समस्या, बिजली की समस्या, कचरे की समस्या, अवैध निर्माण, धोकादायक इमारतें जैसी समस्याओं पर केवल राजनीति की। विरोध में रहकर कभी विरोध नहीं किया और सत्ता में रहकर कभी विकास नहीं किया। जिस कारण आज उल्हासनगर शहर विकास की ओर नहीं बल्कि विनाश की ओर जा रहा है।

शहर की खस्ता हालत से सिंधी समाज शहर से पलायन कर रहा है। भाजपा, शिवसेना, कांग्रेस, आरपीआय जैसी प्रमुख पार्टियों भी कालानी की राह पर ही चलती दिखी।

ज्ञात हो कि 1986 में पप्पू कालानी पहली बार 35 वर्ष की आयु में नगराध्यक्ष बने उसके बाद उन्होंने लगातार 1990-95, 95/99, 99-2004, 2004-09 चार बार विधानसभा चुनाव जीता और लोकनेता बने। जिसमें दो बार उन्होंने जेल से 1991-2001 चुनाव जीता। उनकी पत्नी स्व. श्रीमती ज्योति कालानी 2014 में विधानसभा चुनाव जीता था। इस तरह कालानी ने उल्हासनगर विधानसभा सीट पर 5 बार यानी करीब 20 वर्षों तक राज किया इतना ही नहीं। वहीं 1995 ज्योति कालानी नगराध्यक्षा बनी और फिर 2005 में महापौर भी लगातार 7 वर्ष वो स्थायी समिति सभापति भी बनी। 2018 में उनकी बहु पंचम कालानी महापौर चुनी गई।

इस तरह शहर में कालानी परिवार ने सबसे ज्यादा राज किया है। कांग्रेस, आरपीआय, यूपीपी, राकांपा व भाजपा जैसे पक्ष में कालानी राज कर चुके हैं। सभी पक्ष से थककर आखिरकार उन्होंने अपनी टीम ओमी कालानी पार्टी बनाई जिसका इस्तेमाल तब होता है जब कोई पक्ष भाव न दें। ऐसे में राकांपा शरद पवार गुट से ओमी कालानी ने विधानसभा चुनाव 2024 का टिकट पाने हेतु साक्षात्कार दिया है जहां उनके वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें खरी खोटी सुनाकर राकांपा को डबल क्रास कर भाजपा में जाने की बात उठाई और कहा कि भविष्य में कालानी पर कैसे भरोसा किया जाए दो पलभर में धोखा दे सकता है। यही कारण है उनको अभी तक कतार में रखा है। पूर्व विधायक ज्योति कालानी का 18 अप्रैल 2021 को निधन हो गया था वो कालानी के यह एक बड़ा झटका था क्योंकि पप्पू कालानी के बाद उन्होंने ही कालानी का नाम बनाए रखा। उनके निधन के बाद पप्पू कालानी जेल से बाहर आ गए।

फिलहाल पप्पू कालानी मेडिकल ग्राउंड पर जेल से बाहर हैं और पिछले तीन वर्षों से उन्होंने जेल से बाहर रहकर भी शहर के लिए ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे उनकी लोकनेता वाली छवि वापस आ सके। उनकी मौजूदगी में अब उनके पुत्र ओमी कालानी चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। ओमी कालानी पर भी कई अपराधिक मामले दर्ज हैं. उनके गुंडों द्वारा शहर में अवैध निर्माणों और मारपीट से शहरवासी व व्यापारी त्रस्त हो चुके हैं।

■ विधायक आयलानी का जीतना भी मुश्किल

वर्तमान विधायक आयलानी व पूर्व विधायक कालानी के कार्यों से जनता नाराज है फिर भी दोनों चुनाव मैदान में उतरकर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। जबकि जनता की नजर अब तीसरे विकल्प पर विचार कर रही है। जिस तरह कालानी का एक छत्र राज खत्म हुआ था इस बार भी इन दोनों का राज अब खत्म करने का समय आ चुका है। ऐसी चर्चा शहर में चल रही है।

18 विधानसभा क्षेत्रों में 324 नामांकन पत्रों का वितरण

■ उल्हासनगर में 2 फार्म लिए गए

ठाणे. ठाणे विधानसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन फॉर्म का वितरण मंगलवार से शुरू हो गया है. 18 विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों को कुल 324 नामांकन पत्र वितरित किये गये। तो 3 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया.

134 भिवंडी विधानसभा क्षेत्र - 7 आवेदन, 135 - शाहपुर (एजे) विधानसभा क्षेत्र - 9 आवेदन, 136 - भिवंडी पश्चिम विधानसभा क्षेत्र - 35 आवेदन, 137 - भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र - 29 आवेदन, 138 - कल्याण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र - 32 आवेदन, 139 - मुरबाद विधानसभा क्षेत्र - 22 आवेदन, 140 - अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र - 9 आवेदन, **141 उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र - 2 आवेदन,** 142 कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र - 21 आवेदन, 143 डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र - 4 आवेदन, 144 कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र - 6 आवेदन, 145 मीराभायंदर विधानसभा क्षेत्र - 38 आवेदन 146 - ओवला मजीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र - 19, 147 कोपरी पचपाखाड़ी विधानसभा क्षेत्र - 20, 148 - ठाणे विधानसभा क्षेत्र - 19, 149 - कलवा - मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र - 10, 150 - ऐरोली विधानसभा क्षेत्र – 11, 151 – बेलापुर विधानसभा क्षेत्र – 31 कुल 324 आवेदन पत्र वितरित किये गये।

■ 3 उम्मीदवारों ने जमा किया आवेदन

निर्दलीय उम्मीदवार प्रफुल्ल रघुनाथ नानोटे ने 142 कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन फॉर्म चुनाव रिटर्निंग अधिकारी रमेश मिसाल को जमा किया। 148 ठाणे विधानसभा क्षेत्र से राइट टू रिकॉल पार्टी के उम्मीदवार यक्षित पटेल ने चुनाव रिटर्निंग अधिकारी उर्मिला पाटिल के पास अपनी उम्मीदवारी दाखिल की। इसके अलावा, 151 बेलापुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार गुरु नरसिम्मा सूर्यवंशी ने चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर अश्विनी पाटिल को अपना नामांकन फॉर्म जमा किया।

पहले दिन 9 लोगों ने 15 नामांकन फार्म लिए

■ डॉ. बालाजी किणीकर के नाम से 5 फार्म लिए गए

▸▸ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा अ.जा. 140 से दि. 22 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक 9 लोगों ने 15 नाम निर्देशन फार्म लेकर गए हैं. मंगलवार को एक भी नामांकन फार्म दाखिल नहीं किया गया है.

विदित हो कि 22 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक नामांकन फार्म लेने व दाखिल करने की तारीख है. तहसील कार्यालय में फार्म दिए जा रहे हैं. अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र एससी है. इसके लिए फार्म की कीमत 100 रुपए है. राज्य के ओपन निर्वाचन क्षेत्र में फार्म की कीमत 1000 रुपए है और उम्मीदवारी भरते समय 5000 रुपए जमा करने होंगे, जबकि ओपन निर्वाचन के लिए अनामत रकम 25 हजार रुपए रखी गई है. अंबरनाथ निर्वाचन क्षेत्र से महाविकास आघाड़ी या महायुति की तरफ से अभी तक किसी भी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गई. अंबरनाथ से शिवसेना शिंदे गट, डॉ. बालाजी किणीकर के नाम से सुभाष टेकड़ी, उल्हासनगर-4 निवासी प्रकाश प्रह्लाद भांगे ने मंगलवार को 5 फार्म लेकर गए हैं. अन्य में देवीदास निकम, श्रीनिवास वाल्मीकि, पत्रकार सुनिल अहिरे, एड. विलास धनगर, सोनाली गंगावणे, रोहिदास कुचे और दिनकर राव पालके ने एक-एक फार्म तो गौतम निकुंभ ने 2 नामांकन फार्म लिए हैं. इस प्रकार कुल 9 लोगों ने 15 फार्म मंगलवार को लिए हैं.

चुनाव से पहले हाजीमलंग दर्गा 'तीर्थ दर्शन योजना' में शामिल

मुंबई. महाराष्ट्र में महागंठबंधन सरकार ने चुनाव से पहले अल्पसंख्यक तीर्थ स्थलों को 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन' योजना में शामिल कर लिया है. इस सूची में मुंबई और उसके आसपास की सभी लोकप्रिय दरगाहों को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। इनमें मुंबई में हाजी अली दरगाह, कल्याण में हाजी मलंग दरगाह और भिवंडी में दीवानशाह दरगाह शामिल हैं। इस सूची में मुस्लिम स्थलों के अलावा पारसी, बौद्ध और जैन समुदाय के पवित्र स्थल भी शामिल हैं।

तीर्थ दर्शन योजना के तहत, महाराष्ट्र सरकार 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को किसी एक तीर्थ की यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति 30,000 रुपये की सहायता प्रदान करती है। हालांकि, इसमें शर्त है कि उस व्यक्ति की पारिवारिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। इस योजना का प्रस्ताव 15 अक्टूबर को जारी किया गया था. इसके अंतर्गत महाराष्ट्र के 95 और महाराष्ट्र के बाहर के 15 पवित्र स्थानों को शामिल किया गया है। भिवंडी (पूर्व) से सपा विधायक रईस शेख ने कहा कि यह अपने राजनीतिक लाभ के लिए अल्पसंख्यकों को आकर्षित करने के लिए महागठबंधन सरकार का एक चुनावी हथकंडा है। जब जुलाई में योजना शुरू की गई तब महाराष्ट्र में मुसलमानों के एक भी पवित्र स्थान को योजना में शामिल क्यों नहीं किया गया। मैंने मुख्यमंत्री शिंदे को पत्र लिखकर मुस्लिम समुदाय के तीन लोकप्रिय तीर्थ स्थलों को इस योजना में शामिल करने की मांग की थी. मुझे खुशी है कि मुसलमानों के इन तीन पवित्र स्थानों को इसमें शामिल किया गया है।'

उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में प्लास्टिक पर प्रतिबंध

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका के मुख्यालय में अब पानी की प्लास्टिक बोतलों के उपयोग पर रोक लगाने का आदेश जारी किया जाएगा। मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने बताया है कि यह प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के अभियान का हिस्सा है और इसे जल्द ही लागू किया जाएगा. मनपा प्रशासन ने चोरी छिपे प्लास्टिक बनाने वाले निर्माताओं और दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करती है. हालांकि देखा जा रहा है कि इस कार्रवाई का कोई खास असर नहीं हो रहा है. बताया जाता है कि मनपा के कुछ अधिकारी-कर्मचारी और एक राजनीतिक दल के कथित नेता की मिलीभगत से प्रतिबंधित प्लास्टिक की कालाबाजारी चल रही है.

प्लास्टिक की बोतलों पर प्रतिबंध

मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने प्लास्टिक के काले बाजार को रोकने के लिए मनपा मुख्यालय, प्रभाग समिति कार्यालयों और अन्य मनपा कार्यालयों में शुद्ध पानी की प्लास्टिक की बोतलों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। महानगर पालिका के मुख्यालय व अन्य कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों के कक्षों में शुद्ध पानी की बोतलों का प्रयोग किया जाता है। ऐसी बोतलों का उपयोग महानगर पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और बैठकों में भी किया जाता है।

मुख्यालय में जल फिल्टर का उपयोग

महानगर पालिका मुख्यालय में विभिन्न स्थानों पर वर्तमान में वाटर फिल्टर मौजूद हैं। अधिक पानी के फिल्टर लगाए जाएंगे और स्टील या कांच के गिलासों की व्यवस्था की जाएगी। वहीं, आयुक्त विकास ढाकने ने जानकारी दी है कि बाहर से प्लास्टिक की बोतलों में पानी लाना या इसका उपयोग करना सख्त वर्जित रहेगा.

पेपर बैग का विकल्प

उल्हासनगर शहर में कई वस्तुओं का बाजार है, शहर और शहर के बाहर से लोग हर दिन बाजार में आते हैं। दुकानों, होटलों, फेरीवालों, सब्जी विक्रेताओं, फल विक्रेताओं द्वारा बड़ी संख्या में प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है। इसके विकल्प के तौर पर महानगर पालिका महिला स्वयं सहायता समूहों को कपड़े या कागज के बैग बनाने का ठेका देगी। महानगर पालिका इन थैलियों को दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, सब्जी विक्रेताओं को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर अंकुश लगेगा।

स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा

महानगर पालिका के स्कूली शिक्षक और विद्यार्थी भी प्लास्टिक प्रतिबंध, स्वच्छता अभियान चलाएंगे। विकास ढाकने ने उम्मीद जताई है कि अगर शहर के अलग-अलग इलाकों से एक भी छात्र अपने आसपास रहने वाले कम से कम दस पड़ोसियों से प्लास्टिक का

24 को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भरेंगे फ़ार्म

ठाणे. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मैदान में उतरने के पहले अपने होम टाउन में शक्ति प्रदर्शन की तैयारी की है. मुख्यमंत्री शिंदे एक बार फिर कोपरी -पांच पाखाड़ी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. इसको लेकर वागले इस्टेट स्थित जागृति खेल मैदान परबवाड़ी शिवसेना शाखा के पास लोगों को इक्कठा होने का आह्वान किया जा रहा है.

शिवसेना सांसद एवं ठाणे जिला शिवसेना प्रमुख नरेश म्हस्के के मुताबिक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार 24 अक्टूबर को सुबह साढ़े दस बजे वागले इस्टेट इस्थित आईआईटी में बनाये गये चुनाव निर्णय अधिकारी कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करेंगे. म्हस्के ने लाडले भाई का फार्म भरते समय मौजूद रहने की अपील आम लोगों से की है.

आशीष देशपांडे ने जन सूचना अधिकार के तहत

जिलाधिकारी से मांगा विधायक किणीकर के 15 वर्षों का हिसाब

▸▸ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने सन 2009 से आज तक की कालावधि में चालू अथवा अपूर्व विकास कार्य एवं प्रस्तावित विकास कामों की यादी हर एक काम पर हुआ खर्च एवं उनको कितना फंड की निधि दी गई, शेष निधि के बारे में अंबरनाथ के आशीष रामकृष्ण देशपांडे ने जिलाधिकारी ठाणे से आरटीआई के जरिए एक महिने के भीतर जानकारी मांगी है. उन्होंने ये भी मांग की है कि उनको विकास कामों के लिए दिया गया पैसा और अभी कितनी निधि देना बचा है. उसके रजिस्टर के जेरॉक्स प्रति दिए जाएं. उपरोक्त कार्यकाल में हर एक ठेका किस ठेकेदार को दिया गया. उस ठेकेदार का नाम, हर एक काम कि निविदा, निविदा तक्ता, प्रत्येक कामों की स्थिति, पूरा हुआ है या अधूरा है. दर्ज रजिस्टर कॉपी का जेरॉक्स भी आशीष ने मांगा है.

उन्होंने जिलाधिकारी से ये भी मांगा है कि विधायक निधि का शासन गाइड लाइन की कॉपी उन्हें दी जाए. आशीष ने सन 2009 से 2024 तक का विधायक किणीकर के कामों एवं निधि का हिसाब किताब एक महिने के भीतर जिलाधिकारी ठाणे से मांगा है. उन्होंने जिलाधिकारी को ये भी बताया है कि सन 2005 के कलम 20 (1) नुसार दंड कलम 20 (2) के अनुसार कालावधि के अनुसार जानकारी नहीं दी गई तो आप पर शिस्त भंग की कार्रवाई हो सकती है. माहिती अधिकारी मांग पत्र पर जिला प्लानिंग कमेटी ठाणे की रिसिव्ड हस्ताक्षर भी है.

मुख्यमंत्री के जिले में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा?

ठाणे. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के प्रभुत्व वाले ठाणे जिले के प्रशासनिक दायरे में पिछले कुछ समय से शिंदे पिता-पुत्र और उनके समर्थकों का प्रभाव देखा जा सकता है, लेकिन विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन से लेकर सीटों के बंटवारे में भी बीजेपी अग्रणी बनी हुई है. उल्हासनगर में कुमार आयलानी को छोड़कर जहां पार्टी जिले में सात विधायकों को फिर से टिकट दे रही है, वहीं मीरा-भाईदर की निर्दलीय विधायक गीता जैन भी घर वापसी के लिए कतार में हैं. लेकिन अब यह तस्वीर उभर कर सामने आ रही है कि जिले की 18 में से नौ सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवार होंगे.

दिलचस्प बात यह है कि कल्याण पूर्व, ठाणे, मुरबाड, ऐरोली निर्वाचन क्षेत्रों में, शिवसेना के स्थानीय नेताओं के कड़े विरोध के बावजूद, भाजपा ने वही उम्मीदवार खड़ा किया है जो वह चाहती है, और शिंदेसेना के बारे में ज्यादा विचार नहीं किया है।

2019 में हुए विधानसभा चुनाव में ठाणे जिले में बीजेपी ने 8 और शिवसेना ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी. मीरा-भाईदर की सीट पर बीजेपी की तत्कालीन मेयर गीता जैन निर्दलीय चुनी गईं. इसलिए इस पूरे जिले पर बीजेपी का दबदबा उजागर हुआ. राज्य में जैसे ही महाविकास अघाड़ी सरकार अस्तित्व में आई, तत्कालीन शहरी विकास और अब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पिछले पांच वर्षों में जिले के प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में अकेले ही हावी दिखे। बीजेपी के पास ज्यादा विधायक होने के बावजूद शिंदेसेना के स्थानीय नेता ठाणे, नवी मुंबई, कल्याण डोंबिवली, मीरा-भाईदर जैसे शहरों में घूमते नजर आए. जहां शिंदे पिता-पुत्र पूरे जिले पर अपना वर्चस्व जमा रहे थे, वहीं जिले के एकमात्र भाजपा मंत्री रवींद्र चव्हाण इस दौरान जिले के राजनीतिक परिदृश्य पर कोई खास प्रभाव नहीं डाल सके। इसलिए स्थानीय भाजपा नेताओं, विधायकों और पदाधिकारियों में यह धारणा थी कि राज्य में सत्ता में होने के बावजूद जिले में उन्हें कोई नहीं पूछ रहा है। कल्याण, नवी मुंबई, ठाणे, मुरबाड जैसे शहरों में देखा गया कि बीजेपी और शिंदेसेना के बीच टकराव चरम पर पहुंच गया है. इसलिए सभी का ध्यान इस बात पर केंद्रित था कि आगामी विधानसभा चुनाव में बीजेपी की क्या भूमिका होगी.

■ पुराने विधायकों पर भरोसा, शिवसेना का विरोध

उल्हासनगर से मौजूदा विधायक कुमार आयलानी को छोड़कर, भाजपा ने अपनी पहली सूची में ठाणे जिले से सात विधायकों को फिर से मैदान में उतारा है। मीरा-भाईंदर सीट पर बीजेपी के नरेंद्र मेहता और निर्दलीय विधायक गीता जैन के बीच टक्कर है. हालांकि ऐसा लग रहा है कि इस तनातनी का फायदा शिंदेसेना को मिलेगा, लेकिन उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने पिछले हफ्ते दोनों नेताओं को अपने सरकारी बंगले पर बुलाया था. जैन ने उनसे भाजपा से लड़ने का आग्रह किया और कथित तौर पर नरेंद्र मेहता को मना लिया गया। ऐसा करते हुए, स्थानीय शिंदेसेना नेताओं के विरोध के बावजूद, भाजपा ने ठाणे में संजय केलकर और कल्याण पूर्व में गणपत गायकवाड़ की पत्नी सुलभा को उम्मीदवार बनाया। शिवसेना (शिंदे) शहर प्रमुख गोलीकांड मामले में गणपत गायकवाड़ अभी भी जेल में हैं। ऐसा देखा जा रहा है कि बीजेपी ने शिंदे की पार्टी के खिलाफ सुलभा को उम्मीदवार बनाते वक्त 'उम्मीदवार हम ही तय करेंगे' का रास्ता अपनाया. मुरबाड में पूर्व सांसद कपिल पाटिल और शिंदेसेना भी किसन कथोरे के खिलाफ आक्रामक थे. लेकिन पार्टी ने कथोरे के पीछे मजबूती से खड़े रहने का फैसला किया है.

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय नाबालिग से रूम का किराया मांगने के बहाने घर में घुसकर 20 वर्षीय युवक द्वारा दुराचार किए जाने का मामला प्रकाश में आया है.पुलिस ने आरोपी युवक पर पॉस्को सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय नाबालिग शाम 7 बजे घर में अकेली थी. उसके पड़ोस में रहने वाला 20 वर्षीय युवक रूम का किराया मांगने के बहाने नाबालिग के घर गया. लड़की ने घर का दरवाजा खोला तो पड़ोसी आरोपी जबरन उसके घर में घुस गया और जबरन उसके साथ दुराचार की घटना को अंजाम दिया.आरोपी पीड़िता को मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया. दुराचार के बाद पीड़िता ने हाथ की नस काटकर खुदकुशी करने की कोशिश की.उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. शांतिनगर पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत पर पड़ोसी युवक पर पॉस्को सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आरोपी को धर दबोचा है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

युद्ध में हर रोज हो रहा नरसंहार

हमास के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई के बाद यह अनुमान नहीं था कि एक वर्ष से चल रहा यह टकराव एक लंबे और जटिल युद्ध में तब्दील हो जाएगा। गाजा में इजराइल अभी हवाई हमले और जमीनी अभियान दोनों ही जारी रखे हुए हैं। गंभीर बात है इसका दायरा प्रतिदिन बढ़ रहा है। हर रोज बड़ी संख्या में लोग हताहत हो रहे हैं। हमास के भयावह हमले के बाद इजराइल की प्रतिक्रिया को स्वाभाविक बताया गया था, मगर यह अंदाजा नहीं था कि वह प्रतिशोध में इतनी बड़ी तबाही मचा देगा।

रविवार को उत्तरी गाजा में किए गए हमले में सत्तासी लोगों की मौत हो गई, चालीस लोग जख्मी हो गए। कोई नहीं जानता कि इजराइल और हमास के बीच संघर्ष कब थमेगा। यह दिनोंदिन जटिल होता जा रहा है। इस युद्ध के दायरे में गाजा पट्टी के बाद अब लेबनान से लेकर ईरान तक आ रहे हैं। हिजबुल्लाह और इजराइल में तनातनी के बीच लेबनानी सेना दूर ही थी, मगर हालिया हमले में उसके तीन सैनिकों की मौत ने इस क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। इस समय दक्षिणी लेबनान पर इजराइल के हवाई हमले से तबाही मची हुई है।

42 हजार फिलिस्तीनी लोगों की जा चुकी है जान

यों गाजा पर निरंतर हमले में अब तक बयालीस हजार से अधिक फिलिस्तीनी नागरिकों की जान चुकी है। इनमें ज्यादातर महिलाएं और मासूम बच्चे थे। चिंता की बात है कि इजराइल की कार्रवाई से जिस तरह मानवाधिकारों का हनन हो रहा है, उस पर कहीं कोई आवाज नहीं उठ रही है। ईरान के मिसाइल हमले के बाद वैसे भी यह युद्ध खतरनाक मोड़ पर है। इजराइल ने इसे चुनौती के रूप में लिया है। पिछले दिनों अमेरिकी खुफिया विभाग के जो दस्तावेज लीक हुए हैं, उससे पता चला है कि इजराइल की सेना ईरान पर बड़े हमले की तैयारी कर रही है।

अगर ऐसा होता है, तो ईरान पलट कर वार नहीं करेगा, इसकी उम्मीद नहीं करनी चाहिए। बल्कि ईरान की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि इजराइल के किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जाएगा। ईरान पहले ही अपनी सेना के शीर्ष कमांडरों के मारे जाने से बौखलाया हुआ है। अगर इन दोनों देशों के बीच भी सीधा युद्ध छिड़ जाता है, तो इसके विनाशकारी परिणाम निकलेंगे और इसका दायरा विश्व स्तर पर कितना बड़ा होगा, कहा नहीं जा सकता।

परोपकार, समाज सेवा भारतीयों के जीवन का हिस्सा

रतन टाटा के निधन के पश्चात उनके परोपकारी कार्यों की खूब चर्चा हो रही है। न केवल टाटा समूह, बल्कि भारत के अनेक छोटे-बड़े लाखों कारोबारी अपने स्तर पर कुछ न कुछ परोपकार से जुड़े कामों में लगे हुए मिल जाएंगे। यह कहना गलत होगा कि हमारे कारोबारियों, धनिकों आदि ने परोपकार की भावना पश्चिमी कारोबारियों से सीखी।

यह कुछ अज्ञानियों का प्रचार भर है कि बारेन बफे, बिल गेट्स आदि कारोबारी परोपकार के प्रणेता है। ऐसा होता तो जमशेदजी टाटा पिछली सदी के सबसे बड़े दानवीर के तौर पर नहीं जाने जाते। भारत में परोपकार की परंपरा प्राचीन काल से ही गहरी जड़ें जमाए हुए है। हम 'सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया' में विश्वास करने वाले हैं।

आज भी आपको पहली रोटी गौ माता को.. में विश्वास करने वाले अनेक लोग मिल जाएंगे। धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथों में परोपकार को दान और सेवा के रूप में वर्णित किया गया है। सनातन धर्म में दान और सेवा का बहुत महत्व है।

ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास में से वानप्रस्थ और संन्यास में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में दान को अहिंसा के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है। बौद्ध धर्म में भी दान का खासा महत्व है, जो सभी प्राणियों के कल्याण के लिए होता है। भगवान बुद्ध ने अपने जीवनकाल में दान, सेवा और अहिंसा का मार्ग दिखाया।

गुरु नानकदेवजी और अन्य संतों ने भी परोपकार पर जोर दिया। गांधी जी ने 'सर्वोदय' के सिद्धांत पर बल दिया और ग्रामीणों की सेवा और विकास के लिए जीवन भर काम किया। रतन टाटा की तरह बिड़ला, अजीम प्रेमजी, नंदन नीलेकणी, शिव नादर जैसे सैकड़ों उद्योगपति परोपकार से जुड़े कार्यों के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपया दान देते हैं। समाज सेवा हमारे कारोबारियों के डीएनए में है।

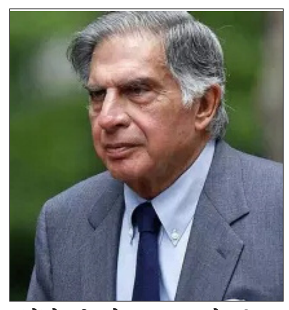

टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया, जिसे अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी निभा रही है। जमशेदजी के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद थे। स्वामी विवेकानंद ने दीन दुखी जन के लिए सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका मानना था कि सामाजिक सेवा ही सच्चा धर्म है।

उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जो आज भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब विवेकानंद भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात अखरी कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है। उन्होंने विचार किया कि इस काम में जमशेदजी टाटा उपयुक्त होंगे।

उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें पत्र लिखा, 'आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो। मेरी शुभकामना है कि और अधिक धन अर्जित करो और अधिक लोगों को रोजगार दो, लेकिन विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और विज्ञान की पढ़ाई और शोध का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो।

आप यह कर सकते हो और विश्वास है कि ऐसा ही करोगे।' स्वामी विवेकानंद जी का यह प्रेरक पत्र पढ़ने के बाद जमशेदजी ने बेंगलुरु में विज्ञान संस्थान शुरू किया, जो आज इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस के नाम से विख्यात है। एक फक्कड़ संन्यासी के आशीर्वाद से घनश्याम दास बिड़ला ने अपना उद्योग जमाया। उसी संन्यासी के आशीर्वाद से 'करनी और बरनी' का काम आज भी बिड़ला समूह कर रहा है। यह अपने धर्मार्थ कार्यों के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मध्ययुगीन भारत में राजाओं और धनिकों द्वारा अनेक धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना की गई, जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और गरीबों की सहायता के लिए समर्पित थे। आपको गांव, कस्बे, शहर में गैर-सरकारी प्रयासों से चल रहे प्याऊ, स्कूल, कालेज, क्लीनिक और धर्मशालाएं आदि मिल जाते हैं। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि कोविड महामारी के दौरान आम और खास व्यक्तियों ने किस तरह खुलकर दान दिया और लोगों की मदद की।

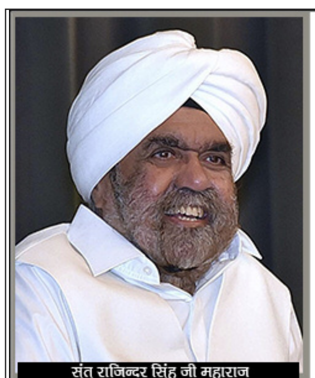

यह आवश्यक है कि हम स्वयं अध्यात्म का व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त करें। ऐसा तब हो सकता है जब हम ध्यानाभ्यास में बैठें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

गरीबी के दुश्चक्र में खड़ा है भारत

अक्सर देश की अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों के बूते भारत के एक विकसित देश की श्रेणी में खड़ा होने की ओर बढ़ने की खबरें आती हैं। मगर इसके समांतर ऐसी खबरों पर हैरानी होती है कि भारत दुनिया के उन पांच देशों में है, जहां सबसे ज्यादा तादाद में लोग बेहद गरीबी में अपनी जिंदगी गुजार रहे हैं। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रपट में देश में गरीबी की तस्वीर फिर एक जटिल दुश्चक्र के रूप में सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और आक्सफर्ड विश्वविद्यालय के आक्सफर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल की ओर से तैयार इस रपट में कहा गया है कि दुनिया भर में एक अरब से ज्यादा लोग घोर गरीबी का सामना कर रहे हैं। इनमें से चालीस फीसद लोग युद्ध या किसी अन्य वजहों से नाजुक स्थिति में या फिर वैसे देशों में रह रहे हैं, जहां हमेशा ही हिंसा या अराजकता की आशंका बनी रहती है।

इस रपट में दर्ज आंकड़ों के अनुसार भारत में 23.4 करोड़ लोग बेहद गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं। अफसोसनाक हकीकत यह है कि भारत को उन पांच देशों में गिना गया है, जहां घोर गरीबी में गुजर-बसर करने वाले लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। इस श्रेणी में भारत के अलावा पाकिस्तान, इथियोपिया, नाइजीरिया और कांगो जैसे देश हैं, जिन्हें निम्न मानव विकास सूचकांक में रखा गया है।

गौरतलब है कि हाल ही में आए वैश्विक भूख सूचकांक में भी भारत को 'गंभीर' भूख की समस्या वाले देशों में बताया गया था। सवाल है कि आए दिन सरकार की ओर से देश की अर्थव्यवस्था की जो चमकती तस्वीर पेश की जाती है,

विकास के दावे किए जाते हैं, इस बुनियाद पर गरीबी के पायदान पर यह त्रासदी क्यों कायम है? एक ओर सरकार यह कहती है कि देश के अस्सी करोड़ से ज्यादा गरीब लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त अनाज मुहैया कराया जा रहा है, तो दूसरी ओर अगले कुछ दशक में विकसित भारत बनाने का दावा भी किया जा रहा है।

अगर भारत की स्थिति अभी भी गरीबी की कसौटी पर सबसे निचले पायदान पर खड़े देशों के समकक्ष या इसके आसपास है, तो वे कौन-से आधार हैं, जिनके बूते भारत को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने का दावा किया जा रहा है? संयुक्त राष्ट्र की रपट में एक अहम बात यह भी दर्ज की गई है कि तिरासी फीसद से ज्यादा गरीब लोग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं।

इस लिहाज से देखें तो यह साफ है कि भारत सहित ज्यादातर देशों में अगर सरकारें विकास कार्यों को लेकर सक्रिय दिखती भी हैं तो उसका केंद्र आमतौर पर शहर-महानगर हैं। यही वजह है कि ग्रामीण इलाके उपेक्षित होते हैं तो वहां के लोग गुजर-बसर के लिए शहरों-महानगरों की ओर रुख करते हैं। इसलिए जब तक शहरी इलाकों की तरह ग्रामीण इलाकों को लेकर भी समावेशी, विकेंद्रीकृत और समान विकास की नीतियां सरकारों की प्राथमिकता में शामिल नहीं होंगी, तब तक स्थिति में सुधार की गुंजाइश नहीं बनेगी।

हालांकि समस्या यह भी है कि हर वर्ष आने वाली रपटों में अलग-अलग संस्थाओं के आकलनों में गरीबी के आंकड़े भिन्न होते हैं, इसलिए विकासशील देशों में ठोस आधार पर गरीबी के आकलनों को लेकर कई बार भ्रम की स्थिति बनती रही है। जाहिर है, कुछ खास बिंदुओं पर आधारित इस तरह के आकलनों में कई बार और अधिक समग्र तथा व्यापक दृष्टिकोण की अपेक्षा होती है। मगर प्रत्यक्ष दिखती परिस्थितियां भी अगर गरीबी की दुखद तस्वीर ही पेश करें, तब विकास की प्रचारित परिभाषा अपने आप कसौटी पर आ जाती है।

रोज दुकान पहुंच जाती है गाय, 3 घंटे बिताकर आती है वापस

हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है, जिससे हिंदू धर्म में गायों की पूजा भी की जाती है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसी खबर दिखाने जा रहे हैं, जिसे देखकर आप दंग रह जाएंगे. महासमुंद जिले के पिथौरा में एक डेली नी* की दुकान है, जहां गौ माता रोज दुकान के अंदर आती हैं. गौ माता तीन घंटे तक दुकान में समय बिताती हैं और बिना कुछ किए वापस चली जाती हैं. लोकल 18 से बात करते हुए दुकान के संचालक मोंटी सोनी ने बताया कि सुबह दुकान खुलने के बाद दुकान में आती है, और दुकान के अंदर बैठ जाती है. इस दौरान वो

जरा हट के

किसी भी चीज को नुकसान नहीं पहुंचती है, साथ ही जब भी कोई दुकान के सामने से जाता है तो गौमाता को प्रणाम करते हैं.

कुदरत का करिश्मा या अंध विश्वास?

कुदरत का करिश्मा कहिए या अंध विश्वास, पर यह

देखकर आपको भी आश्चर्य होगा कि ऐसा कैसे हो सकता है. हम बात कर रहे हैं छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के पिथौरा नगर की, जहां दुर्गा मंदिर समिति के समीप एक गाय, मिस्टी किराने की दुकान में रोजाना सुबह 9 बजे पहुंचती है और सीधे दुकान के अंदर चली जाती है. दुकान के भीतर तीन घंटे तक रहती है. दुकान के अंदर डेली नी* के बहुत सारे सामान होते हैं, जिसे गाय बिल्कुल भी नहीं खाती. गाय वही खाती है, जो दुकानदार उसे देता है.

मजेदार और अचंभित करने वाली बात यह है कि तीन घंटे के दौरान गाय न तो गोबर करती है, न ही मूत्र विसर्जन करती है. जिस दिन डेली नीड्स की दुकान बंद होती है, उस दिन गाय दुकानदार के घर पहुंच जाती है. यह सिलसिला पिछले छह महीनों से चल रहा है. महासमुंद जिले के पिथौरा नगर में इस घटना की चर्चा जोरों पर है. जितने लोग, उतनी बातें हो रही हैं. कोई कहता है कि गाय दुकानदार की पूर्वज होगी, तो कोई कहता है कि यह भगवान का आशीर्वाद है, इसलिए गौ माता डेली नीड्स की दुकान पर आती है.

अहोई अष्टमी पर बनाएं गुलगुले

खाना-खजाना

करवा चौथ के बाद अहोई अष्टमी का व्रत भी महिलाओं के लिए खास महत्व रखता है। यह व्रत महिलाएं अपनी संतान खासतौर पर बेटों की लंबी उम्र और उनकी मंगल कामना के लिए रखती हैं। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन अहोई व्रत रखा जाता है। इस साल यह व्रत 24 अक्तूबर को रखा जाएगा। इस दिन मांएं सुबह उठकर मंदिर जाती हैं और व्रत का संकल्प लेकर इसे शुरू करती हैं। इस दिन अहोई माता को गुलगुले और मालपुए का प्रसाद चढ़ाया जाता है, जिसे बाद में भोग के रूप में बांटा भी जाता है। अगर आप भी अहोई अष्टमी के दिन माता अहोई को चढ़ाने के लिए गुलगुले का प्रसाद बनाना चाहती हैं तो फॉलो करें ये रेसिपी।

सामग्री :

- 1 कप गेहूं का आटा
- 1 छोटा चम्मच सौंफ
- 2 चम्मच दूध
- 1/4 छोटा चम्मच इलायची का पाउडर
- 4 बड़े चम्मच चीनी
- तलने के लिए तेल

विधि :

गुलगुले बनाने के लिए सबसे पहले आटा छानकर एक कटोरे में निकाल लें। अब इस आटे में सौंफ, इलायची का पाउडर, चीनी और थोड़ा-सा दूध और पानी डालकर अच्छी तरह मिलाते हुए गुलगुले का बैटर तैयार करें। इस बात का ध्यान रखें कि बैटर बहुत ज्यादा ना तो पतला हो और ना ही गाढ़ा होना चाहिए। इस घोल को बनाकर 6-8 घंटे के लिए थोड़ी गर्म जगह पर ढककर रखें। 6-8 घंटे बाद आटे को फिर एक बार मिक्स करें। आप देखेंगे कि आटे में थोड़ा सा खमीर बनने लगा है, गुलगुले बनाने के लिए यह जरूरी स्टेप होता है। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें चम्मच क मदद से गुलगुले का बैटर लेकर कड़ाही में डालें। इन छोटी बॉल्स को सुनहरा होने तक अच्छी तरह से फ्राई करें। आपके टेस्टी गुलगुले बनकर तैयार हैं, इन्हें टिश्यू पेपर पर निकालकर भोग में चढ़ाएं।

आज का राशिफल

मेष : शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। बेरोजगारी के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ : विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मिथुन : यात्रा लाभदायक रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क : किसी बड़े काम को करने की तीव्र इच्छा जागृत होगी। आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

सिंह : धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रमाद न करें।

कन्या : विवाद को बढ़ावा न दें। चोट व दुर्घटना के प्रति सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला : कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। शत्रु पस्त होंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक : किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। जोखिम न उठाएं।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी। व्यर्थ दौड़धूप रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मकर : कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे।

कुंभ : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। सुख-शांति रहेगी।

मीन : भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। लाभ में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

40 से ज्यादा उम्र की महिलाएं इन तरीकों से करें तेजी से वेट लॉस

15 दिनों में नजर आएगा बदलाव

एक उम्र के बाद वजन कम करना मुश्किल लग सकता है, क्योंकि वेट एक जगह पर आकर रुक जाता है जो न बढ़ता है और न ही घटता है। ये समस्या बढ़ती उम्र में ज्यादा होती है। 40 की उम्र पार करने के बाद कई महिलाएं बढ़ते वजन को कम करने की कोशिश करती हैं। ये वजन कमर के पास सबसे ज्यादा दिखाई देता है, जो खराब लाइफस्टाइल की आदतों से बढ़ता है। इस बढ़ी हुई चर्बी को कम करने के लिए 40 प्लस महिलाएं इन तरीकों को अपना सकती हैं।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से मिलेगी मदद

40 साल की उम्र के बाद शरीर का मेटाबोलिज्म स्लो हो जाता है। जिसकी वजह से कैलोरी बर्न करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में हफ्ते में दो से चार बार स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। इस ट्रेनिंग से लीन मांसपेशियां फिर से बनने लगती हैं। इसके अलावा यह हड्डियों और शरीर को मजबूत और हेल्दी रखने में मदद करता है।

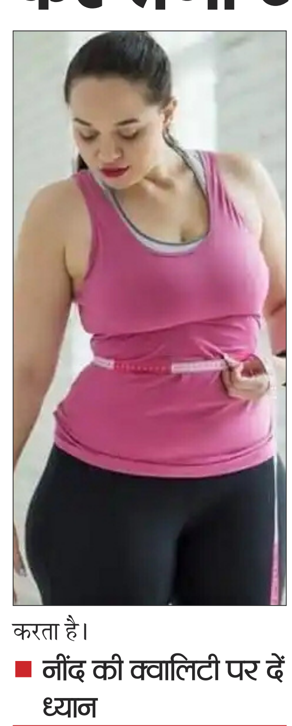

नींद की क्वालिटी पर दें ध्यान

नींद की कमी हार्मोनल संतुलन को रोक सकती है, जिससे हाई कैलोरी वाली खाने की चीजों की लालसा बढ़ जाती है और मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। नैचुरल फैट बर्न करने के लिए रात में 7-9 घंटे की नींद लेना जरूरी है।

ध्यान देकर खाएं और पोर्शन का ध्यान रखें

उम्र के साथ मेटाबॉलिज्म स्वाभाविक रूप से स्लो हो जाता है, इसलिए इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि हम क्या और कितना खाते हैं। माइंडफुल ईटिंग में खाने पर ध्यान देना जरूरी है। इस तरह खाने पर हर टुकड़े का स्वाद लेना और यह पहचानना शामिल है कि आपका पेट कब भरा है। इसके अलावा पोर्शन कंट्रोल का भी ध्यान रखें। पोषक तत्वों से भरपूर खाना खाएं और डायट में भरपूर मात्रा में फल, सब्जियां और लीन प्रोटीन शामिल करें।

हाइड्रेशन को न भूलें

दिन भर में पानी पीने की सही मात्रा स्वास्थ्य के लिए जरूरी है और ये वेट मैनेज में भी मदद कर सकता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से मेटाबॉलिज्म को मैनेज करने में मदद मिलती है और पेट भरा होने का एहसास होता है। ऐसा करके आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं।

कैसे समझें केमिकल से पका है केला?

त्योहारों का मौसम है. घर-घर में व्रत रखे जा रहे हैं और फलाहार किया जा रहा है. इस दौरान केले को 'सुपरफूड' कहा जाता है क्योंकि एक केला खाकर दिनभर की एनर्जी मिल जाती है. लेकिन एक समस्या है. इन दिनों बाजार में फलों की मांग बढ़ जाने से इन्हें पकाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल किया जा रहा है. खासतौर पर केलों को जल्दी पकाने के लिए फल वाले भाई कार्बाइड का उपयोग कर रहे हैं. यह अगर आपके पेट में चला जाए, तो किसी जहर की तरह काम करेगा. ऐसे में जहरीले केलों को पहचानने का तरीका जानना जरूरी है. हम यहां बता रहे हैं कि आप मार्केट से केला खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखकर कार्बाइड वाले केले की पहचान कर सकते हैं.

ऐसे करें पहचान

पहला तरीका: नेचुरल तरीके से पके हुए केलों पर काले या भूरे रंग के धब्बे होते हैं, जबकि कार्बाइड जैसे खतरनाक केमिकल से पके केले के छिलकों पर दाग नहीं होते. ये दूर से ही ब्राइट नजर आते हैं. इन केलों का स्वाद भी कच्चा जैसा लगता है.

दूसरा तरीका: केमिकल से पके केले काफी ठोस दिखते हैं. साफ-सुथरे और तगड़े दिखते केले अगर दबाने से पके से लगें, तो समझ जाएं कि ये केले केमिकल से पकाए गए हैं. ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं.

तीसरा तरीका: एक बाल्टी लें और उसमें पानी भरें. अब इसमें केलों को डालें. अगर केला नेचुरल पका होगा, तो ये डूबने लगेगा, लेकिन अगर ये केमिकल से पका है, तो ये तैरने लगेगा. इस तरह आप आसानी से पहचान कर सकते हैं.

चौथा तरीका: अगर केला कहीं से पका हुआ है और कहीं से कच्चा है, तो समझ लें कि ये दवा से पका हुआ है. जबकि जो केला चारों तरफ से समान पकता है, वह नेचुरल पका हुआ केला है. इन तरकीबों की मदद से आप केमिकल वाले केले से बच जाएंगे और हेल्दी केला खा सकेंगे.

गाय या भैंस... किसका घी होता है ज्यादा फायदेमंद?

वजन घटाना, सूजन भगाना, जानें क्या हैं इसके फायदे

चाहे आलू का परांठा हो या फिर गरमा गर्म दाल हो... अगर ऊपर से एक चम्मच घी डाल दयिा जाए तो खाने का मजा दुगना हो जाता है. भारतीय घरों में घी एक ऐसा फैट है जसिका प्रयोग खूब होता है. अक्सर वजन कम करने वालों को फैट से दूर रहने की सलाह दी जाती है, लेकिन घी एक ऐसा फैट है, जो न केवल आपको कई हेल्थ बेनफिटि देता है बलकि वजन घटाने में भी मदद करता है. श्रीकृष्ण के बचपन की लीलाएं हों या फिर कोई पूजा करनी हो गाय के घी का जक्रि आपने सुना ही होगा. घी हेल्दी फैट का एक बेहतरीन सोर्स है. हमारे घरों में गाय और भैंस दोनों के ही दूध से बना घी इस्तेमाल होता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके शरीर के लिए इन दोनों में से कौनसा फायदेमंद होता है? चलिए आपको इसके बारे में बताते हैं.

गाय का घी

यूं तो गाय और भैंस, दोनों का ही घी बनाने की विधि एक ही होती है. लेकिन गाय का घी और भैंस का घी दोनों के ही अपने-अपने अनूठे फायदे हैं. गाय का घी गाय के दूध की मलाई या मक्खन से बनाया जाता है. न्यूट्रिशिंन की बात करें तो गाय के घी में लगभग 62 से 65 प्रतिशत सेचुरेटडि फैट होती है, जिसमें शॉर्ट-चेन और मीडियम-चेन फैटी एसिड की अधिक मात्रा होती है. गाय के घी में वसा-घुलनशील विटामिन होते हैं, विशेष रूप से विटामिन A, D, E, और K2. इसके मुख्य कंपाउं* में ब्यूटिरिक एसिड शामिल है, जो सूजन-रोधी गुणों के लिए जाना जाता है और आंतों के स्वास्थ्य का समर्थन करता है.

भैंस का घी

भैंस के दूध से नकिली क्रीम या मक्खन से बनता है. इस दूध में फैट ज्यादा होता है. इसमें आमतौर पर लगभग 80 से 85 प्रतिशत सेचुरेटडि फैट होता है, जिससे यह गाय के घी की तुलना में ज्यादा गाढ़ा और समृद्ध होता है. यह भी वसा-घुलनशील विटामिन से भरा होता है, लेकिन इसमें गाय के घी की तुलना में विटामिन A की मात्रा थोड़ी कम होती है. क्योंकि भैंस के घी में फैट ज्यादा होता है, इसलिए भैंस का घी आमतौर पर कैलोरी में अधिक होता है. यानी अगर आपको ज्यादा कैलोरी लेनी हैं, तो ये घी आपके लिए फायदेमंद होता है.

गाय के घी के लाभ

- स्वस्थ पाचन और आंतों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है.
- इसके एंटीऑक्सीडेंट सामग्री के कारण इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है.
- शॉर्ट-चेन और मीडियम-चेन फैटी एसिड के कारण वेट मैनेजमेंट में मदद कर सकता है.

भैंस के घी के लाभ

- इसकी ऊर्जा घनत्व जो हाई कैलोरी खाने वालों के लिए बलिकुल सही है.
- इस घी में सूजन-रोधी गुण होते हैं.
- इसकी समृद्धता को आवश्यक फैटी एसिड के कारण त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार से जोड़ा जाता है.

स्वाद में अंतर

स्वाद के मामले में, गाय का घी हल्के, नटकी स्वाद और सुखद सुगंध लिए होता है. हालांकि ये सब गुण गाय की नस्ल और उसके आहार के आधार पर अलग हो सकते हैं. जबकि भैंस का घी अपनी समृद्ध और मलाईदार बनावट के लिए जाना जाता है. जो गाय के घी की तुलना में एक मजबूत स्वाद और सुगंध वाला होता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में सुपारी देने वाले को ही किलर ने मौत के घाट उतारा, वजह जानकर हैरान रह जाएंगे आप

बागपत. बागपत से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सुपारी देने वाले को ही किलर ने मार डाला। दरअसल कुछ दिन पहले लापता हुए एक युवक का शव शामली जिले के गढ़ीपुख्था गांव में मिला था। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो चौंकाने वाले राज सामने आए। उन्होंने बताया कि मृतक ने उन्हें एक शख्स की हत्या की सुपारी दी थी। जब वह वारदात को अंजाम देने शामली पहुंचे तो वहां मृतक ने सुपारी के रुपये नहीं दिए। इस पर विवाद हो गया और उसकी हत्या कर डाली। ये मामला बड़ौत की किदवई नगर कॉलोनी का है। यहां रहने वाला इमरान 16 अक्टूबर को लापता हो गया था। उसके भाई साजिद ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। 18 अक्टूबर को इमरान का शव शामली के गढ़ीपुख्ता गांव के जंगल में मिला। उसकी हत्या की गई थी।

नाबालिग साली को भगा ले गया जीजा, पत्नी ने अपने ही पति पर दर्ज कराई FIR

महराजगंज. महराजगंज जिले में एक जीजा अपनी नाबालिग साली को भगा ले गया। निचलौल थाना क्षेत्र के एक गांव में ससुराल में आए एक युवक ने अपनी साली को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस मामले में युवक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को दी गई तहरीर में युवक की पत्नी ने बताया है कि उसकी शादी सत्या उर्फ सोनू निवासी रामपुर कारखाना जिला देवरिया के साथ हुई है। उसका पति बीते चार महीने से उसके मायका निचलौल थाना क्षेत्र के एक गांव में रहता था। इस बीच उसका पति उसकी छोटी नाबालिग बहन को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। इस मामले में पुलिस ने सत्या उर्फ सोनू मद्धेशिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एसओ गौरव राव कन्नौजिया ने बताया कि किशोरी को भगाए जाने के मामले में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

गंदे मैसेज देख इस कदर परेशान 12वीं की बच्ची ने बाथरूम में लगा ली फांसी

राजधानी लखनऊ के गोसाईंगंज में सहपाठी की हरकतों से परेशान होकर 12वीं की छात्रा ने बाथरूम में फांसी लगा कर जान दे दी। सुबह बाथरूम गई। कई घंटे तक बाहर न निकलने पर घरवालों ने आवाज दी और फिर तोड़ दिया। बाथरूम के अंदर छात्रा रोशनदान से दुपट्टे के सहारे लटकी हुई थी। यह देख घरवाले चीख-चीख कर रोने लगे। दरअसल, सहपाठी ने छात्रा की फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर उसके रिश्तेदारों को अश्लील मैसेज भेजे थे। इससे तंग आकर उसने खुद को घर में कैद कर लिया था और एक हफ्ते से स्कूल नहीं जा रही थी।

अफसर पति से तलाक लेकर मॉडल बनी, फिर लौट आई घर; फंदे से लटकती लाश मिली

यूपी के सिद्धार्थनगर में इटवा नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी (ईओ) के साथ रह रही उनकी तलाकशुदा पत्नी का पंखे से लटकता शव मिला है। उसके गले में दुपट्टे का फंदा लगा था। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट मिला है। पता चला है कि दो साल पहले महिला ने ईओ से तलाक ले लिया था। इसके बाद वह मुंबई और दिल्ली जाकर मॉडलिंग करने लगी थी। दो महीने पहले वह वापस अपने पूर्व पति यानी ईओ के पास आकर रहने लगी थी। घटनास्थल सिद्धार्थनगर के सदर थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर मोहल्ले में है। सोमवार की शाम महिला का पंखे से लटकता शव मिला है। उसके गले में दुपट्टे का फंदा लगा था। पुलिस इसे प्रथमदृष्टया आत्महत्या का मामला मानकर चल रही है।

गांधीनगर में नकली जज फर्जी कोर्ट चला रहा था

- **विवादित मामलों में फैसले देकर 100 एकड़ जमीन भी हड़पी**

गांधीनगर. गुजरात में एक शख्स ने फर्जी ट्रिब्यूनल बनाया। खुद को उसका जज बताया और गांधीनगर में बने अपने ऑफिस में असली अदालत जैसा माहौल बनाते हुए फैसले भी सुनाए। आरोपी का नाम मॉरिस सैमुअल है। बतौर ऑर्बिट्रेटर (मध्यस्थ) नकली जज मॉरिस ने अरबों रुपए की करीब 100 एकड़ सरकारी जमीन अपने नाम कर ऑर्डर पारित किए। हैरानी की बात यह है कि यह फर्जी कोर्ट पिछले पांच साल से चल रहा था। अहमदाबाद पुलिस ने मॉरिस को नकली जज बनकर लोगों को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

साथी वकील बनकर खड़े होते, ताकि कार्रवाई असली लगे

मॉरिस उन लोगों को फंसाता था, जिनके जमीनी विवाद के केस शहर के सिविल कोर्ट में पेंडिंग थे। वह अपने मुवक्किलों से उनके मामले को सुलझाने के लिए फीस

के तौर पर कुछ पैसा लेता था। मॉरिस खुद को कोर्ट से नियुक्त किया गया आधिकारिक मध्यस्थ बताता था। वह अपने मुवक्किलों को गांधीनगर के अपने ऑफिस में बुलाता था, जिसे अदालत की तरह डिजाइन किया गया था।

मॉरिस केस से जुड़ी दलीलें सुनता और ट्रिब्यूनल के अधिकारी के रूप में आदेश पारित करता था। इतना ही नहीं, उसके साथी अदालत के कर्मचारी या वकील के रूप में खड़े होकर यह दिखाते थे कि कार्रवाई असली है। इस तरकीब से आरोपी मॉरिस 11 से ज्यादा मामलों में अपने पक्ष में ऑर्डर पारित कर चुका था।

असली कोर्ट के रजिस्ट्रार ने पकड़ा नकली जज

2019 में आरोपी ने इसी तरह अपने मुवक्किल के पक्ष में एक आदेश पारित किया था। मामला जिला कलेक्टर के अधीन एक सरकारी जमीन से जुड़ा था। उसके मुवक्किल ने इस पर दावा किया और पालडी इलाके की जमीन के लिए सरकारी दस्तावेजों में अपना नाम दर्ज करवाने की कोशिश की। मॉरिस ने कहा कि उसे सरकार ने मध्यस्थ बनाया है। इसके बाद ठग ने फर्जी अदालती कार्रवाई शुरू की, अपने मुवक्किल के पक्ष में एक आदेश दिया, जिसमें कलेक्टर को उस जमीन के दस्तावेजों में मुवक्किल का नाम दर्ज करने का निर्देश दिया गया। आदेश को लागू करने के लिए मॉरिस ने दूसरे वकील के जरिए सिविल कोर्ट में अपील की। इसमें वही आदेश अटैच किया जो उसने जारी किया था। हालांकि, कोर्ट के रजिस्ट्रार हार्दिक देसाई को पता चला कि न तो मॉरिस मध्यस्थ है और न ही न्यायाधिकरण का आदेश असली है।

प्रदूषण के खिलाफ हरियाणा सरकार का बड़ा ऐक्शन

- **24 अफसर सस्पेंड; अब तक 18 किसान गिरफ्तार**

नई दिल्ली. दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के बीच हरियाणा सरकार ने अपने राज्य में पराली जलाए जाने की घटना को गंभीरता से लिया है और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया है। हरियाणा के कृषि विभाग ने विभिन्न जिलों में तैनात 24 अधिकारियों को इस मामले में कोताही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया है। ये अधिकारी अपने-अपने इलाकों में पराली जलाने की घटना को रोक पाने में नाकाम रहे थे। सरकार ने डिप्टी कमिश्नरों और डिप्टी डायरेक्टरों से मिली सिफारिशों के आधार पर ये कार्रवाई की है।

इसके अलावा हरियाणा सरकार ने पिछले कुछ दिनों में कैथल जिले में 18 किसानों को खेतों में पराली जलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिल्ली में खासतौर से अक्टूबर और नवंबर के दौरान प्रदूषण का स्तर बढ़ने के लिए अक्सर हरियाणा और पड़ोसी पंजाब में पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराया जाता है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया,

''पिछले कुछ दिनों में पराली जलाने के लिए 18 किसानों को गिरफ्तार किया गया लेकिन बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया क्योंकि यह अपराध जमानती है।''

हरियाणा में कैथल जिले के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) बीरभान ने बताया कि पराली जलाने के लिए वायु (प्रदूषण रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम और कानून के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पानीपत, यमुनानगर और अंबाला समेत कुछ अन्य जिलों में भी पराली जलाने के लिए हाल में प्राथमिकियां दर्ज की गयी हैं। कहा जाता है कि धान की फसल के बाद किसान बड़े पैमाने पर खेतों में पराली जला देते हैं, ताकि अगली फसल के लिए खेत तैयार किया जा सके लेकिन इससे बड़े पैमाने पर वायु प्रदूषण होता है। पंजाब-हरियाणा के खेतों से उठा ये धुआं दिल्ली-एनसीआर तक प्रदूषण फैलाने में बड़ा कारक है।

पीएम मोदी-पुतिन की गलबहियां

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रूस पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्लादिमीर पुतिन ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

दोनों नेताओं ने समिट से इतर द्विपक्षीय वार्ता की। पुतिन और पीएम मोदी ने गले लगाकर एक-दूसरे को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि वो ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कज़ान के खूबसूरत शहर में आकर खुश हैं। भारत के इस शहर के साथ गहरे, ऐतिहासिक संबंध हैं और यहां भारत का नया दूतावास खुलने से ये संबंध और मजबूत होंगे।

असम के MLA अखिल गोगोई की बढ़ी मुसीबत

- **कोर्ट ने UAPA के तहत तय कर दिए आरोप**

नई दिल्ली. राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) की एक विशेष अदालत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध में हुए प्रदर्शन में भूमिका के आरोप में मंगलवार को असम के विधायक अखिल गोगोई एवं उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ सख्त

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए।

गोगोई के वकील शांतनु बोरठाकुर ने कहा कि एनआईए के विशेष न्यायाधीश एस. के. शर्मा ने उनके (गोगोई के) खिलाफ यूएपीए की धारा 18 (साजिश) और आईपीसी की धाराओं 120 बी (आपराधिक साजिश), 153 ए (वैमनस्वता को बढ़ावा देना) और राष्ट्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले बयानों, आरोपों से संबंधित धारा 153 बी के तहत आरोप तय किए। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर धैज्य कुंवर, बिट्टू सोनोवाल और मानस कुंवर के खिलाफ यूएपीए की धारा 18 और आईपीसी की धारा 120बी के तहत आरोप तय किए गए। अदालत ने आतंकवादी संगठन को समर्थन देने से संबंधित यूएपीए की धारा 39 और आईपीसी की धारा 124 ए (देशद्रोह) को खारिज कर दिया, जिसका सुझाव एनआईए ने अपने आरोप पत्र में दिया था।

कश्मीर हमला - लश्कर के संगठन TRF ने ली जिम्मेदारी

- **6 मजदूरों की मौत, 3 बिहार के**

गांदरबल. जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने ली है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि TRF चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था।

गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई। हमले के बाद गांदरबल और गगनगीर के जंगलों में रात से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। यह ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं और अब नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (NIA) भी पहुंच गई है।

मुस्लिम पुरुष एक से ज्यादा शादियों का करवा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

- **HC ने पर्सनल लॉ का दिया हवाला**

मुंबई. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को साफ किया है कि मुस्लिम व्यक्ति एक से ज्यादा शादियों का पंजीकरण करवा सकते हैं। कोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ कई विवाहों की अनुमति देता है इसीलिए पंजीकरण पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान शख्स ने दलील दी थी कि वह अपनी तीसरी पत्नी के साथ अपने विवाह को पंजीकृत करना चाहता है। जस्टिस बीपी कोलाबावाला और सोमशेखर सुंदरसन की पीठ ने 15 अक्टूबर को ठाणे नगर निगम के विवाह पंजीकरण कार्यालय को पिछले साल फरवरी में एक मुस्लिम व्यक्ति द्वारा दायर आवेदन पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। इस आवेदन में अल्जीरिया की एक महिला के साथ

अपने तीसरे विवाह को पंजीकृत करने की मांग की गई थी।

दंपति ने अपनी याचिका में अधिकारियों को उन्हें विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने की मांग की थी। इसमें दावा किया गया कि उनका आवेदन खारिज कर दिया गया क्योंकि यह व्यक्ति की तीसरी शादी थी। अधिकारियों ने इस आधार पर विवाह को पंजीकृत करने से इनकार कर दिया कि महाराष्ट्र विवाह ब्यूरो विनियमन और विवाह पंजीकरण अधिनियम के तहत विवाह की परिभाषा केवल एक विवाह को मानती है।

हालांकि पीठ ने इस रोक को पूरी तरह से गलत करार दिया और कहा कि अधिनियम में कोर्ट को ऐसा कुछ भी नहीं मिला जो किसी मुस्लिम व्यक्ति को तीसरी शादी पंजीकृत करने से रोकता हो। कोर्ट ने कहा, मुसलमानों के लिए निजी कानूनों के तहत उन्हें एक समय में चार पत्नियां रखने का अधिकार है। हम अधिकारियों की इस दलील को स्वीकार करने में असमर्थ हैं कि महाराष्ट्र विवाह ब्यूरो विनियमन और विवाह पंजीकरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मुस्लिम पुरुष के मामले में भी केवल एक विवाह पंजीकृत किया जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि अगर वह अधिकारियों की दलील को स्वीकार करती है तो इसका प्रभावी अर्थ यह होगा कि महाराष्ट्र विवाह ब्यूरो विनियमन और विवाह पंजीकरण अधिनियम मुसलमानों के निजी कानूनों को दरकिनार कर देता है। अदालत ने कहा, इस अधिनियम में ऐसा कुछ भी नहीं है जो यह दर्शाता हो कि मुसलमानों के निजी कानूनों को बाहर रखा गया है।

जंग से त्रस्त फिलिस्तीन को मदद भेजेगा भारत

- **जरूरी दवाओं सहित 30 टन की पहली खेप रवाना**

नई दिल्ली. इजरायल के साथ अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे फिलिस्तीन में हालात बिगड़ रहे हैं। इस त्रासदी के बीच अब भारत ने फिलिस्तीन को मानवीय सहायता देने की पेशकश की है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की है कि इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच भारत ने मदद की पहली खेप फिलिस्तीन भेजी है। संयुक्त राष्ट्र की राहत एजेंसी UNRWA के माध्यम से फिलिस्तीन को कुल 30 टन मानवीय सहायता भेजी गई है जिसमें जरूरी दवाइयां, सर्जिकल सप्लाइज और ऊर्जा वाले बिस्किट शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर

जायसवाल ने मंगलवार को बताया, "भारत ने UNRWA के माध्यम से फिलिस्तीन के लोगों के लिए मानवीय सहायता भेजी है। सहायता की पहली खेप में 30 टन दवाएं और खाद्य सामग्री शामिल हैं जो आज रवाना हो गई है। इस खेप में आवश्यक दवाएं भी शामिल हैं।

इससे पहले जुलाई की शुरुआत में भारत ने फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को 2.5 मिलियन अमरीकी डालर की किश्त जारी की थी। यह 2024-25 के लिए 5 मिलियन अमरीकी डालर के भारत के वार्षिक योगदान का एक हिस्सा था। भारत ने हर बार शांतिपूर्ण तरीकों से फिलिस्तीन मुद्दे को हल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। भारत ने '2 स्टेट सॉल्यूशन' का समर्थन किया है जिसका उद्देश्य इजरायल के साथ साथ संप्रभु और आजाद फिलिस्तीनी राज्य का गठन करना है।

तस्लीमा नसरीन को भारत सरकार से बड़ी राहत

- **निवास परमिट हुआ रिन्यू**
- **अमित शाह से लगाई थी गुहार**

नई दिल्ली. बांग्लादेश की चर्चित लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता तस्लीमा नसरीन को भारत सरकार से बड़ी राहत मिली है। उन्होंने संकेत दिया है कि उनका भारत में रहने का निवास परमिट रिन्यू हो चुका है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है। मंगलवार को तस्लीमा ने सोशल मीडिया

प्लेटफार्म X पर शाह को 'बहुत-बहुत धन्यवाद' कहा।

तस्लीमा नसरीन ने एक दिन पहले सोमवार को अमित शाह से निवास परमिट बढ़ाने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि वह भारत को अपना दूसरा घर मानती हैं और पिछले 20 वर्षों से यहां रह रही हैं। 22 जुलाई के बाद से उनके निवास परमिट का नवीनीकरण (रिन्यू) नहीं हो रहा था, जिससे वह बेहद चिंतित थीं। उन्होंने लिखा, 'प्रिय अमित शाह जी, नमस्कार। मैं भारत में इसलिए रहती हूं क्योंकि मुझे यह देश बहुत प्रिय है। पिछले 20 सालों से यह मेरा दूसरा घर रहा है, लेकिन गृह मंत्रालय ने 22 जुलाई से मेरी निवास परमिट का नवीनीकरण नहीं किया है। मैं बहुत चिंतित हूं। अगर आप मुझे यहां रहने की अनुमति देंगे, तो मैं आपकी आभारी रहूंगी।' अब गृह मंत्रालय ने उनके परमिट को रिन्यू कर दिया है।

NASA के स्पेस क्रू-8 मिशन पर आसमानी आफत

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को आईएसएस से धरती पर लाने के लिए नासा और स्पेसएक्स द्वारा चलाए जा रहे स्पेस क्रू-8 मिशन की धरती पर वापसी टल गई है। नासा ने कहा कि मौसम अभी भी इतना अस्थिर है कि अनडॉकिंग का प्रयास नहीं किया जा सकता।

घरेलू क्रिकेट खेलकर फिटनेस साबित करेंगे तेज गेंदबाज शमी

- **कहा- दर्द पूरी तरह खत्म, पूरी क्षमता से बॉलिंग कर रहा हूं**

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले वे डोमेस्टिक टूर्नामेंट में खेल कर मैच फिटनेस हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे बिना किसी दर्द और पूरी क्षमता से प्रैक्टिस में गेंदबाजी कर कर रहे हैं। शमी ने फरवरी में टखने की सर्जरी कराई थी। वे 2023 वनडे वर्ल्ड के फाइनल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं।

टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के साथ घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है। भारतीय टीम को पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में 22 नवंबर से खेलना है।

शमी ने सोमवार को गुरुग्राम में यूजेनिक्स हेयर साइंसेज की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने टखने की चोट को लेकर अपडेट दिया और टीम में वापसी को लेकर अपना प्लान बताया।

भारत-न्यूजीलैंड पहले टेस्ट के बाद बेंगलुरु में की थी गेंदबाजी

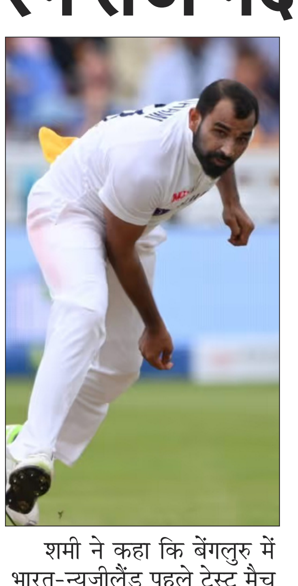

शमी ने कहा कि बेंगलुरु में भारत-न्यूजीलैंड पहले टेस्ट मैच के बाद रविवार को अभ्यास सत्र में भाग लिया था। उन्होंने कहा कि कल मुझे बहुत अच्छा लगा। मैंने फैसला किया था कि सही तरीके से और 100 प्रतिशत क्षमता से गेंदबाजी करूं और मैंने ऐसा ही किया। इससे पहले मैं हाफ रनअप लेकर गेंदबाजी कर रहा था।

उन्होंने टखने की दर्द के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि अब दर्द नहीं है। उम्मीद है कि मैं जल्द ही अपनी लय में लौट आऊंगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले फिटनेस पर पूरा फोकस

शमी ने कहा कि अभी ऑस्ट्रेलिया सीरीज दूर है। अभी इसमें एक महीना का समय है। उससे पहले मेरा फोकस अपने को 100 प्रतिशत फिट रखना है और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पूरी तरह से फिट होकर जाना है। मुझे पता है कि ऑस्ट्रेलिया में हमें किस तरह की गेंदबाजी करनी होगी। इसी कारण मैं काफी बारीकी से उसकी तैयारी करना चाहता हूं। अगर वहां जाने से पहले मैंने मैदान पर कुछ समय बिताया तो मैं अच्छी तैयारी के साथ ऑस्ट्रेलिया जाने में सफल रहूंगा।

शमी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर मैं फिट हो जाऊं और मुझे 8-10 दिनों का गैप मिले, तो मैं एक या दो रणजी मैच खेलूं। जिस दिन भी मुझे लगा कि मुझे 20-30 ओवर की गेंदबाजी करने के बाद भी कोई दिक्कत नहीं होगी और जिस दिन मुझे डॉक्टरों ने छुट्टी दे दी, उस दिन से मैं मैदान पर खेलने के लिए चला जाऊंगा। मैं चाहता हूं कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले जितना ज्यादा समय मैं मैदान पर बिताऊं, उतना ज्यादा अच्छा है।

महिला हेड कांस्टेबल से दरिंदगी करने वाला पकड़ाया

कानपुर. कानपुर दक्षिण के सेन पश्चिम पारा में करवाचौथ मनाने ससुराल आ रही महिला हेड कांस्टेबल को खेत में घसीट कर दरिंदगी करने वाला आरोपित धर्मेंद्र पासवान उर्फ कल्लू अपने ही जाल में फंस गया और पकड़ा गया। आरोपित अपने साथ लूट होने का आरोप लगाते हुए वारदात के आधे घंटे बाद ही ग्रामीणों संग घटना स्थल के पास पहुंच गया था। दरअसल आरोपित जब जमीन कर गिरा कर महिला हेड कांस्टेबल संग दरिंदगी कर रहा था तो प्रतिरोध में उसने चेहरे पर खरोंचे मारीं। फिर अंगुली चबा ली। छटपटा कर वह पीछे हटा इतने में महिला हेड कांस्टेबल खेत से बाहर भागी और शोर मचाया। आरोपित बाइक छोड़ कर खेतों के रास्ते भाग निकला। इधर शोरगुल सुन भीड़ जुट गई। सूचना पर नजदीकी नर्वल थाने के पाली पुलिस चौकी मौके पर पहुंची और आरोपित की तलाश करने लगी। तभी आरोपित कुछ साथियों संग मौके पर पहुंचा और आरोप लगाया कि दुकान से लौटने के दौरान कुछ लोगों ने बाइक छीन ली है.. विरोध पर अंगुली में काट लिया। इस दौरान महिला कांस्टेबल ने आरोपित को पहचान लिया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपित को दबोच लिया। अयोध्या में तैनात महिला हेड कांस्टेबल का ससुराल सेन पश्चिम पारा क्षेत्र स्थित एक गांव में है। पति आईटीबीपी में हैं। शनिवार देर शाम महिला महिला छुट्टी लेकर करवाचौथ मनाने ससुराल ट्रेन से कानपुर पहुंची। नर्वल के पाली में वाहन से उतरने के बाद गांव के लिए बढ़ीं। रास्ते में गांव का ही धर्मेंद्र पासवान उर्फ कल्लू मिला और बाइक पर बैठा लिया। कुछ दूर चलने के बाद बाइक रोकी और खेत से महिला को घसीटकर खेत के अंदर ले गया। रेप करने लगा। दांत से काटा। कांस्टेबल ने आरोपित के चेहरे में नाखून मारे फिर दांत से अंगुली चबा ली। छटपटा कर भागा।

बेंगलुरु में इमारत ढहने से मलबे में 17 लोग दबे

बेंगलुरु. बेंगलुरु में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। खराब मौसम और बारिश के चलते शहर में हाहाकार मच गया है। कई इलाकों में बाढ़ आ जाने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की पांच टीम को शहर में फंसे लोगों को निकालने के लिए तैनात किया गया। इस बीच शहर के पूर्वी हिस्से में निर्माणाधीन इमारत के ढह जाने से कम से कम 17 लोग मलबे में दब गए। लोगों को बचाने का अभियान जारी है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु के पूर्वी हिस्से में होरमावु अगरा इलाके में एक इमारत ढहने के बाद कम से कम 17 लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव अभियान जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया, इमारत के अंदर 17 लोगों के फंसे होने की आशंका है और सुरक्षा कर्मियों की मदद से बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to general public that my client is intending to purchase the immovable property i.e. commercial property known as Shop No.4 on Ground Floor in Madalsa Apartment, constructed on Room Nos.2 to 7 of Brk.No.1035, Near Dassera Maidan, Ulhasnagar – 421003, Dist.Thane (Maharashtra State), area adm. about 330 sq.fts. (Built Up Area) having separate electric connection and meter installed vide Consumer No.021514805307 and the same is assessed in Ulhasnagar Municipal Corporation under Ward No.36, Property No.36BO006584900, Sr.No.36/1248 within the limits of Ulhasnagar Municipal Corporation from its owner Shri Shyam Mahendrakumar Budhrani.

All persons having or claiming any right, title, interest, claim, demand, objections against the said Owner and/or against the said property or any part thereof in any manner including by way of any Agreement for Sale, Transfer, Gift, Lease, Lien, Charge, Mortgage, Inheritance, Maintenance, Easement, Restrictive Covenant or otherwise howsoever are hereby required to make the same known in writing to the undersigned within 7 (Seven) days from the date of publication hereof, failing which we will assume that there is no right, title, interest, claims, demands whatsoever against the said property or any part thereof, and in any event, the same if any, shall be deemed to have been waived and abandoned and the transaction will be completed.

SCHEDULE OF PROPERTY

Commercial property known as Shop No.4 on Ground Floor in Madalsa Apartment, constructed on Room Nos.2 to 7 of Brk.No.1035, Near Dassera Maidan, Ulhasnagar – 421003, Dist.Thane (Maharashtra State), area adm. about 330 sq.fts. (Built Up Area) having separate electric connection and meter installed vide Consumer No.021514805307 and the same is assessed in Ulhasnagar Municipal Corporation under Ward No.36, Property No.36BO006584900, Sr.No.36/1248 within the limits of Ulhasnagar Municipal Corporation.

Date : 22/10/2024
Place : Ulhasnagar

RAVI I. JAISINGHANI
ADVOCATE HIGH COURT
9, Ground Floor, Pali Hill Apt.,
Nr.Sadhu Vaswani Statue,
Goal Maidan, Ulhasnagar–421 001
Mb.No:9322321000/ 2730777

संक्षेप...

मुफ्त चिकित्सा शिविर के नाम पर 34.97 लाख की ठगी

मुंबई। अंबोली पुलिस ने मुंबई के 52 वर्षीय डॉ. सुमन बंदोपाध्याय के खिलाफ अंधेरी निवासी डॉ. दीपक चतुर्वेदी से मुफ्त चिकित्सा शिविर लगाने के नाम पर 34.97 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। बंदोपाध्याय ने साईं संस्थान शिरडी और बाबा हॉस्पिटल ट्रस्ट का ट्रस्टी होने का झूठा दावा करते हुए डॉ. चतुर्वेदी को कोविड-19 के दौरान मुफ्त चिकित्सा शिविर लगाने के लिए राजी किया। एफआईआर के अनुसार, अंधेरी में क्लिनिक चलाने वाले डॉ. चतुर्वेदी की मुलाकात 2020 की शुरुआत में बंदोपाध्याय से हुई थी. बंदोपाध्याय ने खुद को सांताक्रूज का बाल रोग विशेषज्ञ बताया जिसका जुहू में क्लिनिक है और धीरे-धीरे चतुर्वेदी से दोस्ती हो गई। महामारी के दौरान बंदोपाध्याय ने ट्रस्टी होने का दावा किया और मुफ्त चिकित्सा शिविरों के लिए दान मांगा, जो चतुर्वेदी ने दिया।

पूर्व विधायक संदीप नाईक शरद पवार गुट में शामिल

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की ओर से उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद अब बड़ा झटका लगा है. नवी मुंबई में बीजेपी को झटका देते हुए पार्टी के नेता और पूर्व विधायक संदीप नाइक मंगलवार को शरद पवार गुट की एनसीपी में शामिल हो गए. बताया जा रहा है कि बेलापुर सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद से संदीप नाइक नाराज चल रहे थे. बीजेपी ने संदीप के पिता और पूर्व मंत्री गणेश नाइक को ऐरोली विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है. उनका नवी मुंबई क्षेत्र में सालों से काफी प्रभाव है. सूत्रों ने बताया कि संदीप के बेलापुर से विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है, जहां बीजेपी ने अपनी मौजूदा विधायक मंदा म्हात्रे को फिर से उम्मीदवार बनाया है.

■ जयंत पाटिल बोले- हमने जो खोया था, वह अब मिल गया

पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने संदीप नाइक का एनसीपी में स्वागत किया. पाटिल ने कहा कि हमने जो खोया था वह अब मिल गया है.

■ हमारे प्रयासों के लिए सम्मान नहीं मिला

नाइक जूनियर ने बीजेपी पर परोक्ष हमले में दावा किया कि हमने पिछले चुनावों के दौरान अपनी जिम्मेदारियां पूरी की, लेकिन हमारे प्रयासों के लिए सम्मान नहीं मिला. उन्होंने दावा किया कि कई कार्यकर्ता और नेता (अन्य दलों से) राकांपा (सपा) में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं.

नवी मुंबई में शुरू होने वाली कहानी पूरे महाराष्ट्र में गूंजेगी. हम अपने समर्पित कार्यकर्ताओं और नेताओं के योगदान को नजरअंदाज नहीं करेंगे. संदीप नाइक के प्रवेश से निस्संदेह हमारी पार्टी मजबूत होगी.

पाटिल ने दर्शकों से आगामी चुनाव में नाइक के समर्थन में एकजुट होने का आग्रह किया उन्होंने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा. वहीं, संदीप नाइक ने नवी मुबई की विकास की जरूरतों को प्राथमिकता देने की कसम खाई.

■ गणेश नाईक पर बीजेपी ने बनाया था दबाव, लेकिन...

माना जा रहा है कि बीजेपी ने जूनियर नाईक को लेकर गणेश नाईक पर दबाव बनाया था, लेकिन वो अपने बेटे को नहीं मना पाए. इसके बाद अब उन्होंने एनसीपी शरद पवार गुट का दामन थाम लिया है. अब अगर शरद पवार गुट जूनियर नाईक को बेलापुर से टिकट देते है तो बीजेपी को कड़ी चुनौती मिल सकती है.

मिनी चौपाटी बनी कचरपट्टी का कलंक!

ठाणे पूर्व चेंदनी कोलीवाडा विसर्जन घाट की सड़क बनी डंपिंग ग्राउंड ?

ठाणे. ठाणे पूर्व में मिनी चौपाटी के नाम से पहचाना जाने वाला चेंदनी कोलीवाडा विसर्जन घाट के सड़क पर कचरे का अंबार लगा हुआ है।सुंदर परिसर में चंद्रमा पर लगा काला धब्बा की तरह दाग लग गया है।इससे परिसर में भयंकर बीमारियों का खतरा मड़रा रहा है यहां के रहवासियों का दुर्गंध के कारण जीना दुस्वार हो गया है।सड़क पर कचरे को देखकर लगता है कि मिनी डंपिंग ग्राउंड है।चेंदनी कोलीवाडा विसर्जनघाट परिसर में सुबह नागरिक टहलने और व्यायाम करने के लिए आते हैं।मनपा ने विसर्जन घाट का कायाकल्प किया है।वॉटरफ्रंट डेव्हलपमेंट परियोजना से इस परिसर की शोभा बढ़ गई है।एम्पी थिएटर, विविध प्रकार के पेड़ पौधे, बैठने के लिए उत्तम व्यवस्था के कारण शोभा बढ़ा दी है लेकिन सड़क पर कचरे का लगा अंबार मनपा के घनकचरा विभाग के कार्य पर संदेह व्यक्त करता दिखाई दे रहा है।बिजली विभाग के कार्यालय के बगल में सालों से कचरा फेका जाता है।पास के सोसायटी, दुकानदार, भाजीवाले, हॉटेल व्यवसायिक यह आकर कचरा फेक रहे हैं।कचरा एक जगह एकत्रित नही होने के कारण अव्यवस्था है।इसलिए कचरा उठाने के लिए डंपर या जेसीबी मशीन का सहारा लेना पड़ता है।

ऐतिहासिक नाम से पहचाना जाने वाला चेंदनी कोलीवाडा विसर्जन घाट पर मनपा की ओर से किया गया सुंदरीकरण की शोभा को कचरा बिगाड़ रहा है।इस कचरे के अंबार से परिसर की शोभा और स्वास्थ्य को खतरा बढ़ रहा है।स्थानीय नागरिक पुंडलिक घाग (सावरकर नगर, ठाणे पूर्व) ने व्यक्त किया।

इस विषय पर बातचीत के लिए मोबाईल फोन से संपर्क करने पर घनकचरा विभाग अधिकारी डॉ राणी शिंदे ने कहा कि दीपावली पर्व के कारण कचरा अधिक हो रहा है लेकिन इस विषय गंभीरता से ली हु जल्द सुधार हो जायेगा।

भिवंडी मनपा में अजीबोगरीब कारनामा

■ सफाई कामगार हुए प्रभारी जूनियर इंजीनियर

भिवंडी. भिवंडी मनपा के प्रशासक राज में भ्रष्टाचार की सभी हदों को पार कर चुका है.मनपा प्रशासन द्वारा सफाई कामगारों को भी प्रभारी अधिकारी, इंजीनियर जैसे अहम पदों पर बिठाकर प्रशासकीय व्यवस्था का मखौल उड़ाया जा रहा है. भ्रष्टाचार का आलम यह है कि, प्रशासक अजय वैद्य के एक वर्षीय कालखंड में सैकड़ों की संख्या में भ्रष्ट अधिकारी,मनपा कर्मी का ट्रांसफर, प्रभारी पद आर्थिक फायदा के लिए दिया गया है.भारतीय कामगार कर्मचारी महासंघ सचिव श्रीपत तांबे ने राज्य प्रधान सचिव सुजाता सौनिक,लोकायुक्त को लिखितपत्र देकर प्रशासक अजय वैद्य के कार्यकाल में हुए प्रशासकीय कामकाज की उच्चस्तरीय जांच की मांग सक्षम अधिकारी से कराए जाने की मांग की है.

गौरतलब हो कि,भारतीय कामगार कर्मचारी महासंघ का आरोप है कि, भिवंडी मनपा के प्रशासक राज में मनपा नियम कानून को दरकिनार कर आर्थिक फायदे के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों की बदली,प्रभार देने का काम किया जा रहा है. मनपा सेवा शर्तों की माने तो अधिकारी,कर्मचारी का ट्रांसफर 3 वर्षों में होता है बावजूद प्रशासक कार्यकाल में अधिसंख्यक अधिकारियों, कर्मचारियों का ट्रांसफर 4 से 6 बार हुआ है.मनपा कामकाज नियमों के तहत नहीं होने से समस्त प्रशासकीय व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है. विभागों में अधिकारी नहीं होने की बात कहकर आयुक्त मनमानी तरीके से सेवा ज्येष्ठता को दरकिनार कर नियुक्ति कर देते हैं.नियम कानून को ताक पर रखकर मनमर्जी से हो रही बदली से तमाम कुशल अधिकारियों का मनोबल टूट चुका है. सूत्रों की माने तो मनपा में होने वाले ट्रांसफर, पोस्टिंग की जानकारी कई बार अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके,उपायुक्त मुख्यालय,स्थापना विभाग आदि को भी नहीं होती है. कई लोगों का आरोप है कि, भिवंडी मनपा में प्रभारी पद पर बैठने वालों से मुंहमांगी कीमत वसूली जाती है फिर महीने की डिमांड नहीं पूरी होने पर शिकायत आने की बात कहकर पद से हटाया जाता है. चुनाव की आचार संहिता में भी ट्रांसफर, पोस्टिंग का सिलसिला चलता है.

सफाई कामगार को प्रभारी कनिष्ठ अभियंता चार्ज

कामगार महासंघ का गंभीर आरोप है कि, मनपा प्रशासन द्वारा विधानसभा की आचार संहिता लगने के पूर्व सफाई कामगार से प्रभारी अधिकारी बनाया गया है. अनेकों मनपा कर्मियों की सीनियारिटी को दरकिनार कर विगत दिनों ही कई मनपा कर्मियों को सफाई कामगार से प्रभारी क्लर्क फिर प्रभारी कनिष्ठ अभियंता बनाकर बांधकाम एवं जलापूर्ति विभाग में प्रभारी चार्ज दिया गया है. सूत्रों की माने तो,मनपा में प्रभारी कनिष्ठ अभियंता बनाने के लिए भारी आर्थिक लेनदेन होना बताया जाता है. भिवंडी मनपा में तमाम प्रशासकीय पदों पर आसीन प्रभारी अधिकारी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में ही जुटे हैं.

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड
सभी आरोपियों को 25 तक पुलिस कस्टडी

मुंबई. बाबा सिद्दीकी हत्या कांड मामले में मुंबई पुलिस को 4 आरोपियों की कस्टडी फिर से मिल गई है।इन सभी आरोपियों की रिमांड खत्म हो रही थी, जिस कारण पुलिस ने कोर्ट में इन सभी को पेश किया। कोर्ट ने पुलिस की दलील सुनने के बाद इन आरोपियों की कस्टडी बढ़ा दी है। बता दें कि अभी तक इस मामले में पुलिस 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस को जिन आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था उनके नाम धर्मराज कश्यप, गुरनैल सिंह, हरीश बालक राम और प्रवीण लोनकर हैं। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए इन सभी आरोपियों को 25 अक्टूबर तक फिर से पुलिस कस्टडी में भेजा दिया है।

येऊर तालाब से आपदा प्रबंधन कर्मचारियों ने निकाला शव

▶▶उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. मनपा क्षेत्र के अंतर्गत येऊर हिल्स के स्वानंद बाबा आश्रम परिसर के पाटोना पाड़ा बस स्टॉप के बगल में स्थित तालाब में प्रदीप विजय भोईटे के मृतक शव की जानकारी वर्तक नगर पुलिस स्टेशन की ए. एस. आय शिंदे ने आपदा प्रबंधन को दिया। मृतक भोईटे उम्र 35 रूम न.8 लोकमान्य नगर बोडेकर चाल पाडा न.3 का रहिवासी था. आपदा प्रबंधन के मुख्य अधिकारी यासीन तड़वी से बातचीत करने पर उन्होंने ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना का पता चलते ही आपदा प्रबंधन,अग्निशमन विभाग, पुलिस तत्काल घटना स्थल पर पहुचकर तालाब से शव को निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस ने आगे की कार्रवाई के लिए एंबुलेंस में शव को रखकर सिविल अस्पताल भेज दिया।

ट्राली मशीन गिरने से मजदूर की मौत

■ 4 मंजिला अवैध इमारत का हो रहा निर्माण

▶▶उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी मनपा प्रभाग समिति क्रमांक 3 अंतर्गत क्षेत्र में मनपा अधिकारियों से साठगांठ कर बिल्डरों द्वारा अवैध रूप से मनपा नगर रचना विभाग की मंजूरी लिए ही बहु मंजिला इमारतों का निर्माण किया जा रहा है.शास्त्री नगर में एक 4 मंजिला अवैध निर्माण के काम में उपयोग की जा रही ट्राली मशीन अचानक धड़ाम से नीचे गिरी. घर नंबर 670 का हो रहे अवैध निर्माण में प्रयुक्त हो रही सामग्री ढोने वाली ट्राली मशीन के समीप ही कपड़ा विक्री का ठेला लगाकर खड़ा युवक अकबर अली उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई.

विदित हो कि,भिवंडी मनपा में भारी भ्रष्टाचार चल रहा है.बिल्डर अधिकारियों से मिलीभगत कर अवैध इमारतों के निर्माण कर मनपा तिजोरी को चूना लगा रहे हैं वहीं घटिया निर्माण की वजह से जानलेवा हादसे भी घटित हो रहे हैं.आरोप है कि,मनपा के सभी प्रभाग समितियों में भारी संख्या में शुरू अवैध इमारत निर्माण भ्रष्टाचार की कहानी बयान करने के लिए काफी है.आलम यह है कि,अवैध निर्माण को बढ़ावा देने में अब क्षेत्रीय अधिकारियों के रिश्तेदार भी अवैध निर्माण कार्य में जुटकर पैसा कमाने में जुटे हुए हैं. अवैध निर्माण कार्य में पूर्व जनप्रतिनिधि, मनपा सहायक आयुक्त, बीट निरीक्षक,सर्वेयर से लेकर मनपा के आलाधिकारी शामिल हैं.

लोगों का आरोप है कि,भ्रष्ट क्षेत्रीय अधिकारी अवैध निर्माण का संरक्षण के लिए आयुक्त तक पैसा पहुंचाते हैं जिससे कोई तोड़क कार्यवाही नहीं होती है.

मर्सिडीज की टक्कर से लड़के की मौत

आरोपी फरार

ठाणे. ठाणे में मर्सिडीज कार ने 21 साल के लड़के को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दर्शन हेगड़े के तौर पर हुई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि घटना 20 अक्टूबर की रात में हुई।

हादसा तब हुआ, जब दर्शन खाना खरीदने के बाद घर लौट रहे थे। नासिक हाईवे की ओर जा रही मर्सिडीज ने उसे टक्कर मारी और ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

बाद में पुलिस ने कार को जब्त कर लिया, लेकिन आरोपी ड्राइवर अब तक फरार है। उसकी पहचान अभिजीत नायर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। महाराष्ट्र में 6 महीने में हिट एंड रन का ये चौथा मामला है।

पुलिस ने बताया कि नउपाड़ा पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 106 (2), 281 और 125 (B) और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

यह दुर्घटना महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ठाणे स्थित आवास के पास हुई। पुलिस इलाके के CCTV फुटेज चेक कर रही है। हालांकि, घटना के समय इलाके में कई सीसीटीवी कैमरे कथित तौर पर काम नहीं कर रहे थे।

आम सूचना

मैं श्री चिराग श्रीचंद करार सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 246, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 16बीआय015837800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीचंद थांवरदास करार और अन्य दो जनों के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 19.10.2024 सी.नं. 821/2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री चिराग श्रीचंद करार

मनाली में शिव मंदिर पहुंचीं सारा अली खान

■ ब्यास नदी के किनारे किया मेडिटेशन
■ आयुष्मान खुराना के साथ फिल्माए जाएंगे सीन
■ लाहौल में भी शूटिंग

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान रविवार शाम को एक फिल्म की शूटिंग के लिए हिमाचल प्रदेश के मनाली पहुंच गई हैं। इस दौरान अभिनेत्री का शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने का वीडियो सामने आया है।

सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में यह 6 सेकंड का वीडियो पोस्ट किया है। सोमवार सुबह वह अपने होटल के सामने स्थित पलचान आर्मी कैंप के शिव मंदिर पहुंचीं जहां उन्होंने भोले नाथ का आशीर्वाद लिया।

ब्यास नदी के किनारे ध्यान लगाने पहुंची सारा

सारा अली खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में ब्यास नदी की कल-कल करती धारा के बीच ध्यान लगाते हुए 27 सेकंड का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में ब्यास नदी और मनाली की खूबसूरत वादियों को कैमरे में बखूबी कैद किया गया है। फिल्म की शूटिंग की बात करें तो इसकी लोकेशन हामटा पास की जगह कोठी प्रोजेक्ट के पास चुनी गई है।

शूटिंग के लिए आयुष्मान कोठी पहुंच चुके हैं। आयुष्मान 1 हफ्ते से लाहौल में शूटिंग में व्यस्त थे। सारा अली खान मनाली से करीब 10 किलोमीटर दूर रोहतांग रोड पर एक होटल में ठहरी हुई हैं।

डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पांच पर यात्री ब्रिज बंद

डोंबिवली. मुंबई रेलवे विकास निगम द्वारा डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक से प्लेटफॉर्म नंबर पांच के बीच पैदल यात्री पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। इस ब्रिज के काम में रुकावट के कारण मुंबई रेलवे डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने सोमवार से प्लेटफॉर्म नंबर 5 के दक्षिण की ओर बने रैंप को यात्रियों के लिए बंद करने का फैसला किया है।

निगम ने यात्रियों से उत्तर दिशा की सीढ़ी का उपयोग करने का अनुरोध किया है जो इस रैंप के विपरीत है। डोंबिवली रेलवे स्टेशन से हर दिन करीब साढ़े तीन लाख यात्री यात्रा करते हैं. यात्रियों की बढ़ती भीड़ के मुकाबले डोंबिवली रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर, सीढ़ियां, स्काईवॉक अपर्याप्त होते जा रहे हैं। इसलिए, मध्य रेलवे प्रशासन ने मुंबई रेलवे विकास निगम के सहयोग से प्लेटफॉर्म नंबर एक से प्लेटफॉर्म नंबर पांच के बीच पैदल यात्री पुल का निर्माण शुरू कर दिया है।

इस पुल के मार्ग में बाधक आरक्षित, नियमित टिकट घर को प्लेटफार्म एक पर कल्याण की ओर स्थानांतरित कर दिया गया है। अब इस पुल का रास्ता प्लेटफार्म संख्या पांच पर दक्षिण की ओर यात्री रैंप (रैंप) से बाधित हो गया है।

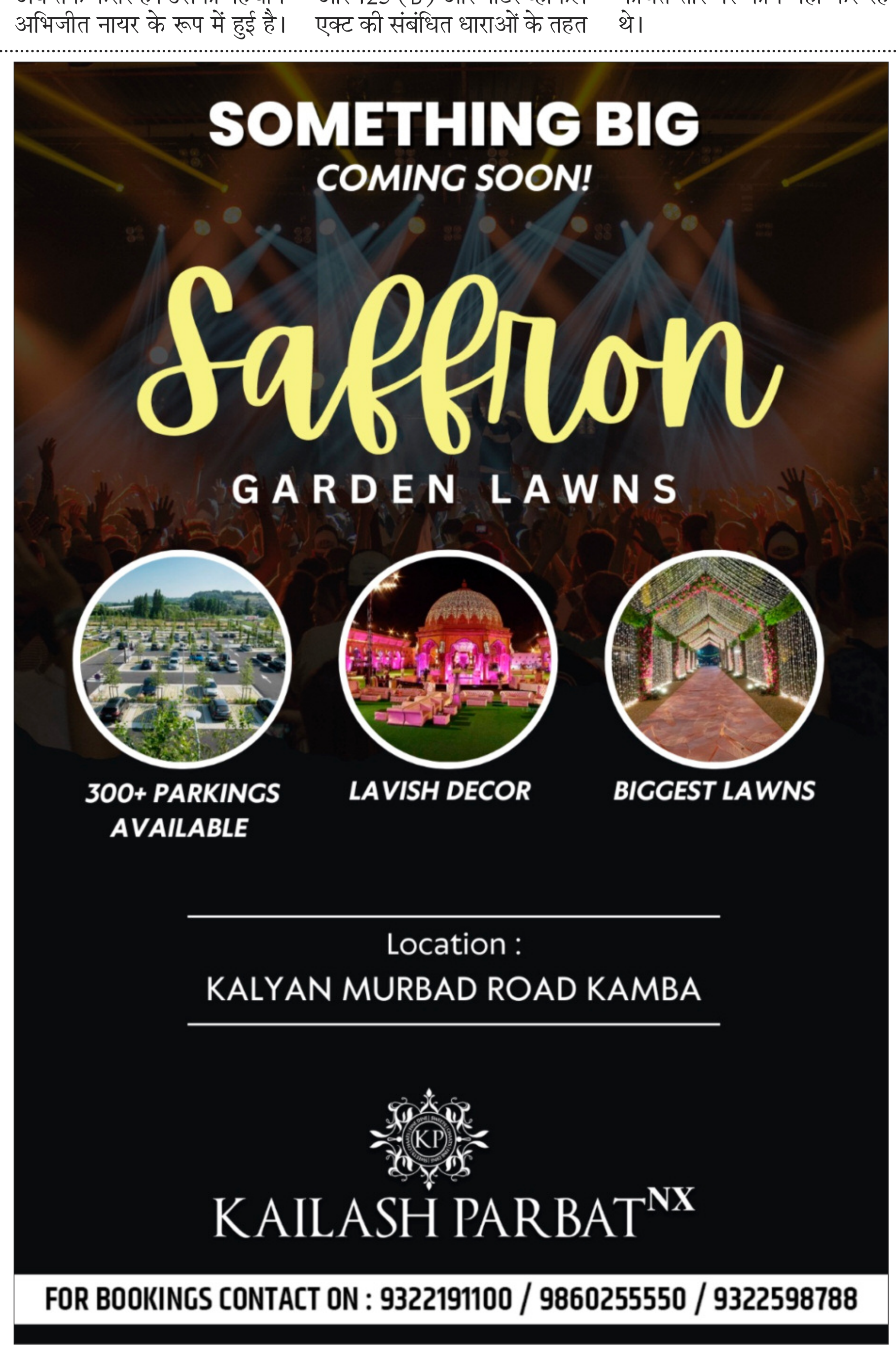

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099